दिल्ली में उर्दू अध्यापकों के पद

132. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली अकादमी, दिल्ली प्रशासन और नगर निगम के स्कूलों में रिक्त स्थानों को भरने के लिए अस्थायी उर्दू-अध्यापकों की सिफारिश करती है और उन्हें 600 से 700 रुपये मासिक भत्ता दिया जाता है और यह प्रक्रिया गत कई वर्षों से चल रही है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन रिक्त स्थानों को नियमित आधार पर भरने के बजाय प्रशिक्षित अध्यापकों को बहुत, कम भत्तों पर नियुक्त किया जाता है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) से (ग) दिल्ली प्रशासन द्वारा भेजी गयी सूचना के अनुसार उर्दू अकादमी स्वयं उर्दू भाषा की प्रोन्नति की स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1990-91 तक अंशकालीन आधार पर शिक्षकों को नियुक्त करती रही है । योजना आयोग ने उर्दू अकादमी द्वारा सरकारी स्कूलों में ऐसे अंशकालीन शिक्षकों की नियुक्ति को स्वीकृति नहीं दी । अतः दिल्ली प्रशासन ने मामले की समीक्षा की और निम्नलिखित निर्णय किये हैं :—

(i) अंशकालीन शिक्षकों को नियोजित करने की मौजूदा पद्धति खत्म की जाएगी ।

(ii) उर्दू अकादमी द्वारा और शिक्षक नियोजित नहीं किये जाने चाहिये ।

(iii) शिक्षा विभाग को मौजूदा कार्मिक मानदंडों के अनुसार उर्दू शिक्षकों के नियमित पद सृजित करने चाहिएं । और खुले रूप में भर्तीयां करनी चाहिएं ।

दिल्ली प्रशासन के अधीन उर्दू मिडियम स्कूल

133. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली प्रशासन के अधीन उर्दू मीडियम के कितने स्कूल हैं ;

(ख) 15 अगस्त, 1991 की स्थिति के अनुसार उर्दू-मीडियम के स्कूलों में उर्दू अध्यापकों के कितने पद रिक्त हुए थे ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान उर्दू मीडियम के इन स्कूलों में कितने उर्दू-अध्यापक नियुक्त किये गये हैं ; और

(घ) सरकार इन स्कूलों में उर्दू अध्यापकों के रिक्त पदों को भरने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास (युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) दिल्ली प्रशासन के शिक्षा निदेशालय द्वारा उर्दू माध्यम के 16 स्कूल चलाए जाते हैं ।

(ख) 15 अगस्त, 1991 से उर्दू शिक्षकों के आठ पद (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक स्तरों के) रिक्त हैं ।

(ग) गत 3 वर्षों के दौरान दिल्ली प्रशासन ने इन स्कूलों में उर्दू के 33 शिक्षक नियुक्त किए हैं ।

(घ) 13 उम्मीदवारों के पैनल में से 4 उम्मीदवार पहले ही नियुक्त किए जा चुके हैं ।

Production of Foodgrains

134. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that despite a good rainfall the total kharif food-

grains production is likely to fall short of the estimated output of 103 million tonnes this year;

(b) if so, what are the details thereof Statewise; and

(c) what are the main reasons for the shortfall, and the steps taken by Government to maximise the production?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) and (b) The final estimates of kharif foodgrain crops for 1991-92 have not yet become due from the States. However, as per the current assessment, the kharif foodgrain production this year is likely to fall short of the targetted level of 103 million tonnes.

(c) The reason for decline in kharif foodgrain production during 1990-91 is on account of long dry spells and aberrant weather conditions prevailing particularly in the north-western parts of the country including the States of Bihar, Haryana, Himachal Pradesh, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Rajasthan etc. To make up the shortfall in the production of kharif foodgrains, strategy for the rabi season of 1991-92 has been drawn in consultation with the State Governments during the National Conference on Agriculture for Rabi Campaign. These include contingency cropping, larger area coverage under rabi/summer rice, wheat, rabi/summer maize, pulses etc., bringing additional area under irrigation from major and medium schemes. These steps are in addition to the implementation of the ongoing developmental programmes like Special Foodgrains Production Programme (SFPP) and National Pulses Development Project (NPDP).

Performance of School Students in Delhi

135. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Delhi Administration has proposed to conduct a study into the poor performance of secondary and Senior Secondary School students in Delhi during the 1990-91 exams.; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) WITH ADDITIONAL CHARGE OF MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT) (KUMARI MAMATA BANERJEE): (a) and (b) According to the information furnished by Delhi Administration, a Committee of Educationists was constituted to conduct a study on the poor performance of Secondary and Sr. Secondary school students in Delhi during the 1990-91 examinations. The Committee has pointed out the following reasons for poor results:—

(i) Poor socio-economic background of the students in Government schools.

(ii) Lack of interest of parents of students of rural, resettlement colonies and J.J. colonies.

(iii) Delay in filling up of vacancies.

(iv) The change of system of compulsory passing in all the five subjects instead of four subjects.

(v) Change of curriculum in some of the subjects.

(vi) Change of pattern of papers by CBSE.

(vii) Delay in supply of books by NCERT.

(viii) Agitation against Mandal Commission Recommendations.

(ix) Disruption of studies due to various strikes, agitations, demonstrations and bandhs in Delhi by various parties and groups.